बिशप जार्ज स्कूल एण्ड कालेज
कक्षा — 11
विषय — हिन्दी (व्याकरण)

इसके पहले वाले PDF में हमने आपको अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करने मुहावरों के वाक्य बनाने तथा अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दिया था। उम्मीद है मेरे कथनानुसार अपने उन सभी प्रश्नों को अपने व्याकरण के रजिस्टर में हल (solve) किया होगा।। सारे कार्य करते जाइए। यदि कहीं समस्या आती है तो उसको नोट करके रखिए। जब हम आपसे मिलेंगे तब आपकी सारी समस्याओं का समाधान कर देंगे। संभवतः आपको कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। इस PDF में हम आपको प्रश्न-पत्र के अनुसार क्रम से प्रश्नों को दे रहे हैं। इसी क्रम में प्रश्न-पत्र में प्रश्न पूछे जाते हैं। सर्वप्रथम निबंध के दो विषय दिए जाते हैं लेकिन यहाँ पर अभी हम अभ्यास के लिए सिर्फ दो विषयों पर निबंध लिखने के लिए दे रहे हैं —

प्र०1- नीचे लिखे विषयों पर 500 शब्दों में निबन्ध लिखिए —

① भोजन की प्रकृति का हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इस संबंध में विदेशी भोजन-शैली के बढ़ते

प्रचलन की लाभ-हानियों को इंगित करते हुए निबंध लिखिए।

(2) निम्नलिखित विषय पर मौलिक (अपेक्षित) कहानी लिखिए -
'दुर्घटना से देर भली'

प्र०2- नीचे लिखे अवतरण (अपठित गद्यांश) को पढ़कर अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

किसी नगर में एक जुलाहा रहता था। स्वभाव का वह बड़ा अच्छा था। सभी से मीठा बोलता था। और कभी किसी से नाराज नहीं होता था। लोग उसे संत कहा करते थे।

एक दिन कुछ शरारती लड़के उसके यहाँ पहुँचे। वे उसकी परीक्षा लेकर देखना चाहते थे कि उसे कैसे गुस्सा नहीं आता। उनमें से एक बहुत धनी व्यक्ति का लड़का था। उसे अपने पैसे का घमंड था। उन लड़कों को देखते ही जुलाहे ने बड़े प्यार से कहा, "आओ बेटा, तुम लोगों को क्या चाहिए?"

सामने रखी साड़ियों में से एक की ओर इशारा करके एक लड़के ने कहा, "मुझे वह साड़ी चाहिए। उसका क्या लोगे?"

जुलाहे ने कहा, "दो रुपये।"

उस लड़के ने वह साड़ी हाथ में ले ली और उसके दो टुकड़े कर डाले। बोला, "मुझे पूरी नहीं, आधी चाहिए। इसका क्या लोगे?"

जुलाहे ने बड़ी शांति से कहा, "एक रुपया।"

नौजवान ने उस आधी साड़ी के भी दो टुकड़े करके पूछा, "इसका क्या दाम होगा?"
"आठ आना।" जुलाहे ने बिना किसी प्रकार की नाराजगी के कहा। लड़का तो उसको चिढ़ाना चाहता था। वह साड़ी के टुकड़े करता गया, पर जुलाहे ने न उसको रोका, न डाँटा, न अपने माथे पर शिकन तक आने दी।
जब साड़ी के बहुत से टुकड़े हो गए तो लड़का हँसकर बोला, "ये टुकड़े मेरे किस काम के! मैं इन्हें नहीं खरीदूँगा।" जुलाहे ने शांत भाव से कहा, "तुम ठीक कहते हो बेटा, ये टुकड़े अब तुम्हारे क्या, किसी के भी काम नहीं आ सकते।" लड़के को इस बात पर कुछ शर्म आयी। उसने कहा, "यह लो मैं तुम्हें पूरी साड़ी के दाम दिए देता हूँ।" जुलाहे ने रुपए नहीं लिए। बोला, "मैं इन टुकड़ों को जोड़कर काम में ले आऊँगा। पर ये तुम्हारे काम नहीं आ सकते तो मैं इनका दाम कैसे ले सकता हूँ।" लड़के के ऊपर तो अपनेपन का नशा चढ़ा था। उसने कहा, "मेरे पास बहुत रुपए हैं, पर तुम गरीब हो। मैंने तुम्हारी चीज खराब कर दी। उसका घाटा मुझे पूरा करना चाहिए।
जुलाहे ने धीमी आवाज में कहा, "क्या तुम इसका घाटा पूरा कर सकते हो? क्या तुम समझते हो कि रुपये से यह घाटा पूरा हो जाएगा? देखो किसानों की मेहनत से कपास पैदा हुई। उसको रुई से मेरी स्त्री ने सूत काता। मैंने उस सूत को रंगा, फिर उससे साड़ी बुनी। हमारी मेहनत तब कारगर हो सकती

कोई उस साड़ी को पहनता। तुमने तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर डाले। इतने लोगों की मेहनत बेकार गई। रुपए इस घाटे को कैसे पूरा कर सकते हैं।"
जुलाहे की आवाज में तनिक भी आवेश नहीं था। वह तो उसे ऐसे समझा रहा था, जैसे बाप बेटे को समझाता है। लड़का पानी-पानी हो गया। उसकी आँखें भर आयीं। वह जुलाहे के पैरों पर गिर गया। जुलाहे ने उसे उठाकर अपनी छाती से लगाते हुए कहा, "बेटा, अगर मैं लालच करके दो रुपए ले लेता, तो तुम्हारी जिंदगी का वह हाल हुआ होता, जो इस साड़ी का हुआ। वह किसी के काम न आती। अब तुम समझ गए। आगे ऐसी गलती कभी नहीं करोगे। एक साड़ी खराब हुई, दूसरी तैयार हो सकती है, लेकिन जिंदगी बिगड़ गई तो कैसे सुधारोगे?" लड़का और उसके साथी बहुत शर्मिंदा हुए और सिर नीचा करके अपने-अपने घर चले गए।

यह जुलाहे थे दक्षिण के महान संत तिरुवल्लुवर, जिनका लिखा 'कुरल' आज दो हजार वर्ष बाद भी बड़ी श्रद्धा से पढ़ा जाता है।

प्रश्न —

(i) जुलाहा कौन था? उसका स्वभाव कैसा था?
(ii) लड़के जुलाहे की परीक्षा क्यों लेना चाहते थे? वे साड़ी के टुकड़े पर टुकड़े क्यों कर रहे थे?
(iii) लड़के द्वारा चिढ़ाए जाने पर जुलाहे ने क्या कहा? जुलाहे ने साड़ी के दाम क्यों नहीं लिए?
(iv) लड़के पर जुलाहे की बात का क्या प्रभाव पड़ा?
(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

Date: _____ Page: _____

प्र०3- निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए –

1- वह चरम रोग से पीड़ित है।
2- उसके मुँह से फूल गिरते हैं।
3- उसकी तो तकदीर फूट गई।
4- मैंने अपना ग्रहकार्य करालिया है।
5- लक्ष्मीबाई वीर थीं।

प्र० 4- निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ समझकर उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1- घी के दीए जलाना
2- जान के लाले पड़ना
3- छक्के छुड़ाना
4- चार चाँद लगाना
5- गले का हार